>

Title: Problems being faced by the candidates during Common Addmission Test (CAT).

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, आज के शून्य काल में आपके माध्यम से मैं सदन का ध्यान एक गंभीर घटना की आकृष्ट करना चाहती हूं। अध्यक्ष जी, आप जानती हैं कि इंडियन इंस्टीट्यूट्स आफ मैनेजमेंट इस देश के बहुत प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान हैं। कुछ अन्य बिजनेस स्कूल्स भी उन्हीं की तरह से विख्यात हैं। हमारे यहां मैनेजमेंट पढ़ने वाले हर लायक बच्चे की यह साध रहती है कि उसे इन संस्थानों में प्रवेश मिल सके। वह इसके लिए तैयारी करता है, कोचिंग सेंटर्स में जाता है, 24 घंटे में से 20-20 घंटे पढ़ता है।

इस बार इन संस्थानों ने यह तय किया कि वे जो अपनी साझी प्रवेश परीक्षा लेते हैं, जिसे प्रचलित भाषा में कैट कहते हैं - कॉमन एडमिशन टेस्ट, वह कैट की परीक्षा ऑनलाइन लेंगे। 28 नवंबर को उस परीक्षा का प्रथम चरण था। 28 नवंबर को शनिवार था, संसद नहीं चल रही था, उस दिन सत्र नहीं था। मैं टेलीविजन के सामने बैठी थी। एकदम से एक पट्टी आयी कि कैट को माउस खा गया। मुझे लगा कि किसी व्यंगात्मक नाटक का शीर्षक होगा। अध्यक्ष जी, सच मानिए, दो मिनट बाद ही उस खबर को जब मैंने देखा, तो मुझे लगा कि यह व्यंग नहीं हादसा था। हादसा भी भारत की युवा प्रतिभाओं के साथ हुआ था। एक के बाद एक बच्चा टेलीविजन पर इंटरव्यू दे रहा था। किसी ने कहा कि मेरा कंप्यूटर खुला ही नहीं। दूसरे ने कहा कि कंप्यूटर तो खुला, लेकिन सवाल के जो चार विकल्प थे, उनमें से दो ही दिख रहे थे। किसी ने कहा कि कंप्यूटर की गति इतनी धीमी थी कि सामने घड़ी समय बिताती जा रही थी और मुझे लगता था कि मैं परीक्षा पूरी नहीं कर पाऊंगा। कितने ही केंद्रों में हड़बड़ी मच गयी। यह दुर्दैव कहें या दुर्भाग्य कि हम दोनों जो प्रथम पंक्ति पर यहां बैठे हैं, बंगलुरू के 11 केंद्र, जहां से वह एमपी हैं और मध्य प्रदेश जहां से मैं एमपी हूं, भोपाल के 8 केंद्र उन 49 अभागे केंद्रों में शामिल थे, जो इस खराबी का शिकार हुए थे। अध्यक्ष जी, आप जानती हैं कि भारत आईटी के अंदर पूरे विश्व में अपनी साख रखता है। हम आईटी में भारत को सुपर पावर बनाने का सपना देखते हैं, लेकिन एक परीक्षा हम सफलता से न करा पाए। परीक्षा के कन्वीनर कह रहे हैं कि हम उनको दूसरा टाइम देंगे। उनको ई-मेल पर बताएंगे, एसएमएस पर बतायेंगे, दोबारा अवसर देंगे। आप जानती हैं कि परीक्षा के लिए बच्चे की एक मनःस्थिति होती है। बच्चे तैयारी से वहां गए, कम से कम डेढ़ हजार बच्चे इससे प्रभावित हुए हैं। 49 केंद्रों में ऐसा हुआ, कहीं एक-दो जगह हो जाए, तो आदमी सोच सकता है कि यह एबरेशन है, आईसोलेशन है, लेकिन सर्वर डाउन हो जाए और 49 केंद्रों पर बच्चे परीक्षा न दे पाएं और उन्हें कहा जाए कि आप अगली बार परीक्षा देंगे।

महोदया, मैं सरकार से आपके माध्यम से इस सदन में कहना चाहती हूं कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। यह युवा प्रतिभाओं के साथ मजाक है और ऐसा भद्दा मजाक दोबारा न हो, सरकार इसको सुनिश्चित करे, इसलिए मैंने यह विषय आपकी अनुमति से उठाया है।

अध्यक्ष महोदया : डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी अपने को इससे संबद्ध कर लें और टेबल पर अपनी नोटिस भेज दें।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The names of hon. Members

Shri Ananth Kumar,

Dr. Kirit Solanki,

Arjun Ram Meghwal and

Shri Prem Das Rai are also associated with the issue raised by Shrimati Sushma Swaraj.

श्री मुलायम सिंह यादव : कंप्यूटर निर्जीव है, संवेदनशील नहीं है। ...(व्यवधान) निर्जीव पर विश्वास करते हैं?